

रजिस्टर्ड नं० ल०-३३/एस०एम० १४.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, १७ सितम्बर, १९९०/२६ भाद्रपद, १९१२

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह विभाग

अधिसूचना

शिमला-२, ४ सितम्बर, १९९०

संख्या गृह (ए) ए (९)-४१/९०.—हिमाचल प्रदेश के फल तथा सब्जी उत्पादकों ने अपनी उपज के लिए समर्थन मूल्य मांग के सम्बन्ध में जन आन्दोलन का आवाहान किया था ;

और जबकि राज्य सरकार ने विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए तथा किसी अप्रिय घटना की रोकथाम के लिए विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बल तैनात कर रखे थे ;

और जबकि इस दौरान यह आरोप लगाए गए थे कि सुरक्षा बलों ने बिना कारण विभिन्न स्थानों विशेषतया शिमला जिला के कोटगढ़, भेकलटी, नामक स्थानों तथा जिला कुल्लू के औटर सिराज क्षेत्र में आन्दोलनकर्तियों पर ज्यादतियां की ;

और जबकि हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने आदेश संख्या गृह (ए) ए (9)-41/90, तारीख 30-7-90 द्वारा श्री के० सी० शर्मा, आयुक्त-एवं-सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार को उपर्युक्त मामलों सहित अन्य सम्बन्धित मामलों की जांच के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया ;

और अब जबकि हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल महोदय की यह राय है कि सार्वजनिक हितों को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक महत्व की उपरोक्त घटनाओं की जांच करने के लिए एक जांच आयोग का गठन किया जाना समीचीन होगा ;

अब इसलिए, जांच आयोग अधिनियम, 1952 की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल महोदय अवकाश प्राप्त जिला तथा सत्र न्यायाधीश, श्री जय चन्द महोत्रा को जांच आयोग नियुक्त करते हैं और यह भी आदेश देते हैं कि इस अधिसूचना को जारी होने की तारीख से 6 मास के भीतर वह उपरोक्त आन्दोलन से सम्बन्धित निम्नलिखित विषयों पर जांच करके अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेंगे :—

1. इस जन-आन्दोलन की क्या प्रकृति तथा सीमा थी और इसके क्या परिणाम निकल सकते थे ?
2. इस आन्दोलन के दौरान विशेषकर 3 जुलाई से 17 अगस्त, 1990 तक विभिन्न स्थानों पर सार्वजनिक तथा प्राइवेट सम्पत्ति को कितना नुकसान हुआ और किन कारणों से ?
3. 22 जुलाई, 1990 को कोटगढ़ में किन परिस्थितियों तथा कारणों से पुलिस गोली काण्ड हुआ ?
4. क्या शिमला के विभिन्न स्थानों विशेषकर शिमला के भेकलटी में तथा कुल्लू जिला में आन्दोलनकर्तियों पर ज्यादतियां की गई या नहीं ?
5. अन्य बातों के साथ-साथ ऐसी कौन-सी परिस्थितियां या कारण थे जिनके फलस्वरूप व्यथित लोगों को पलायन करना पड़ा/स्थान बदलना पड़ा ?
6. अन्य मुद्दे जो उपर्युक्त सन्दर्भों से सम्बन्धित हों ।

राज्यपाल महोदय, इस सम्बन्ध में की जाने वाली जांच की प्रकृति तथा इस मामले की अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह समझते हैं कि जांच आयोग अधिनियम, 1952 की धारा 5 की उप-धारा (2); (3), (4) और (5) के उपबन्धों को आयोग के लिए लागू किया जाए और उपरोक्त अधिनियम की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश देते हैं कि धारा 5 की उप-धारा (2), (3), (4) और (5) में अन्तर्विष्ट उपबन्ध आयोग को लागू होंगे ।

आयोग का मुख्यालय शिमला में होगा और आयोग, उन स्थानों का दौरा भी करेगा जो जांच पूरी करने में आवश्यक समझे जाएंगे ।

आदेशानुसार,
एम० एस० मुखर्जी,
मुख्य सचिव ।

HOME DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 4th September, 1990

No. Home (A) A (9)-41/90.—Whereas the Himachal Pradesh Fruit and Vegetable Growers Association had given a call for holding agitation in respect of their demand for support price for their produce:

AND whereas, the State Government had deployed security force at various sensitive points to maintain law and order situation with a view to prevent any untoward situation:

AND whereas, it had been alleged that the Police had committed excesses on the agitators without any provocation at several places particularly in places like Kotgarh and Bheklti in District Shimla and in Outer Seraj of Kullu district etc;

AND whereas, the State Government had ordered a fact finding enquiry *vide* order No. Home (A) A (9)-41/90, dated July 30, 1990, and Shri K. C. Sharma, Commissioner-cum-Secretary, Government of Himachal Pradesh, was appointed as Inquiry Officer to conduct the enquiry into aforementioned incidents and other allied matters;

AND now whereas, the Governor, Himachal Pradesh is of the opinion that it would be more expedient and in the public interest to appoint a Commission of Inquiry to enquire into the aforesaid incidents which are the matters of public importance;

NOW, therefore, the Governor, Himachal Pradesh in exercise of the powers vested in him under sub-section (1) of section 3 of the Commission of Inquiries Act, 1952, is pleased to appoint *Shri Jai Chand Malhotra, retired District and Sessions Judge, Himachal Pradesh*, as the Commission of Inquiry and to enquire into and report on the following matters in relation to the aforementioned agitation within a period of 6 months from the date of issuance of this notification:—

1. What were the nature and extent of the public agitation along with the consequence thereof?
2. What was the extent of damage caused to public and private property at different places in the course of agitation launched by the Himachal Pradesh Fruit and Vegetable Grower Association especially during the period from 3rd July to 17th August, 1990?
3. What were the causes/circumstances leading to police firing in Kotgarh on July 22, 1990?
4. Whether or not excesses on agitators were committed in different parts of Shimla especially at Bheklti of Shimla district and in Kullu district?
5. What were the facts concerning alleged inter area migration of distressed people and causes and circumstances of migration?
6. Any other issue which may be relevant to the above issues.

Further, the Governor of Himachal Pradesh is of the opinion that having regard to the nature of Inquiry to be conducted and other circumstances of the case, the provisions of sub-sections (2), (3), (4) and (5) of section 5 of the Commission of Inquiries Act, 1952, should be

made applicable to the Commission and in exercise of the powers vested in him under sub-section (1) of section 5 of the aforesaid Act is pleased to direct that the provisions contained in sub-sections (2), (3), (4) and (5) of section 5 shall apply to the Commission.

The Commission shall have its headquarter at Shimla and may also visit such places as may be necessary in the furtherance of the Inquiry.

By order,
M. S. MUKHERJEE,
Chief Secretary.